भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. *151

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

चित्रकूट में पर्यटन विकास

***151. श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा चित्रकूट में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) सरकार द्वारा चित्रकूट को विभिन्न अन्य राज्यों के नए निकटवर्ती पर्यटन स्थलों के साथ जोड़ने के लिए बनाई जा रही नई योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) और (ख): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल द्वारा चित्रकूट में पर्यटन विकास के संबंध में दिनांक 10.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *151 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

(क): धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संवर्धन और विकास का कार्य संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से चित्रकूट में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'स्वदेश दर्शन' के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है। यह प्रक्रिया राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से चलाई जाती है।

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत, मंत्रालय ने रामायण परिपथ के अंतर्गत चित्रकूट के आसपास 'चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है, जिसकी लागत 69.45 करोड़ रु. है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने अपनी नयी योजना स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के अंतर्गत 27.21 करोड़ रु. की लागत वाली 'चित्रकूट में आध्यात्मिक अनुभव' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है।

(ख): सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चित्रकूट से अयोध्या को वाया प्रतापगढ़-सुल्तानपुर जोड़ने वाले रामवन गमन मार्ग (एनएच-731ए) का विकास किया जा रहा है।

*****